सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022
विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-MSTV2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास (प्रश्न पत्र-2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ...../ सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)		
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2. अपने वाद्ययंत्र का ज्ञान एवं उनके अंगों का ज्ञान। 3. तबला / पखावाज के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी का ज्ञान कराना। 4. मुख्य संगीतज्ञों की जानकारी एवं उनके सांगीतिक योगदान की जानकारी करवाना। 5. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं उसमें निहित रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।		
6	क्रेडिट मान	02		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	संगीत की उत्पत्ति की विभिन्न अवधारणाये 1. धार्मिक मत 2. प्राकृतिक मत 3. मनोवैज्ञानिक मत	8 घंटे
ii	1. भारतीय संगीत के वैदिक कालीन इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन। 2. तबला / पखावज के अंगों का ज्ञान एवं सचित्र वर्णन। 3. तबले के दिल्ली/ पखावज के पं. कुदउ सिंह घराने का सामान्य अध्ययन।	8 घंटे
iii	1. घरानोंका आशय एवं महत्व। 2. संगीत शिक्षण में घरानों की उपयोगिता। 3. तबलें के दिल्ली/ पखावज के पं- कुदउ सिंह घराने का सामान्य अध्ययन।	8 घंटे
iv	1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान। विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. रामसहाय, उ. हबीबुद्दीन खाँ, पं. कुदउ सिंह 2. अवनद्ध वादकों के गुण दोषों का अध्ययन। 3. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन के विभिन्न आयम एवं उसमें निहित रोजगारों के अवसर।	6 घंटे

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1. लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक", , प्रकाशक नाम, शहर/ संस्करण नं. (यदि कोई हो)। 1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशक - लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यालय हाथरस 2. भारतीय संगीत का इतिहास, उमेश जोशी, मानसरोवर प्रकाशन फिरोजाबाद 3. ताल प्रकाश, डॉ. भगवत शरण शर्मा, संगीत कार्यालय हाथरस। 2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 02.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

प्रायोगिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022
विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-MSTV2P		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रश्नपत्र-2		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ...../ सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	.पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. अपने वाद्य यंत्रो पर प्रारंभिक मिश्रित वर्णों का रखाव एवं हाथ के रखाव की जानकारी कराना। 2. लय का आशय एवं दुगुन की जानकारी एवं तालों को बजाने की क्षमता विकसित होगी। 3. सुगम एवं लोकसंगीत में प्रारंभिक ठेकों की संगति की जानकारी। 4. राष्ट्रगान / राष्ट्रगीत एवं क्षेत्रीय लोकगीतों में तबला संगति की प्रारंभिक जानकारी के द्वारा वादन की क्षमता विकसित होगी।		
6	क्रेडिट मान	04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान कीं कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	तबला / पखावज के दायें एवं बायें से निकलने वाले प्रारंभिक मिश्रित वर्णों (बोलों) का अभ्यास एवं निकास विधि।	15
II	पाठ्रयक्रम की तालों को दुगुन लय में बजाने का अभ्यास। तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा।	15
III	कहरवा, दादरा को ठाह, दुगुन में बजाने का अभ्यास एवं इनके दो प्रकारों का वादन करने की क्षमता।	15
IV	राष्ट्रगान / राष्ट्रगीत अथवा क्षेत्रीय लोकगीतों ठेकों सहित संगति की क्षमता।	15

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

3. तबला कौमुदी भाग-1 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी।
4. तबला कौमुदी भाग-2 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी।

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	**10**	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	**15**
उपस्थिति	**5**	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	**10**
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	**10**	टेबल वर्क/ प्रयोग	**50**
कुल अंक	**25**		**75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Format for Syllabus of Practical Paper

Part A Introduction			
Program: Certificate Course	Class: B.A.	Year: 1st year	Session: 2021-2022
Subject: Taal Vadhya (Tabla / Pakhawaj)			

1	Course Code	A1-MSTV2P	
2	Course Title	Practical Paper- II	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had the subject Music in class/12th/ certificate/diploma. ..... This course can be opted as an elective by the students of following subjects: ...../ Open for all	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. To introduce the preliminary mixed varn and doing information of holding hands on your instruments. 2. The meaning if laya (rhythm) and knowledge of dugun and the ability to play taals will develop. 3. Information of accompaniment preliminary thekas in light music and folk music. 4. Initial knowledge of tabla accompaniment in the national anthem, national song and folk song will develop the versatility of playing.	
6	Credit Value	04	
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Practice of preliminary mixed varna (bals) of right and left of the table / pakhawaj and the method of playing that.	15
II	Practice of dugun laya of taals of syllabus Teentaal, Jhaptaal, kaherwa, Dadra.	15
III	Practice of kaherwa and dadra in than, dugun and the ability to play 2 types of them.	15
IV	ability to perform in national anthom, national song and folk songs.	15

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

3. Author Surname, Initials, "Book Title", Publisher's name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.
   1. Tabla koumudi Part-1, Pt. Ramshankar Pagaldas, Choukhamba Publication Varanasi.

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

2. Tabla koumudi Part-2, Pt. Ramshankar Pagaldas, Choukhamba Publication Varanasi.

4. Author Surname, Initials, "Book Title", Publisher's name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.

Suggestive digital platforms web links

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	10	Table work / Experiments	50
TOTAL	25		75

Any remarks/ suggestions:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction				
Program: Certificate Course		Class: B.A.	Year: 1st year	Session: 2021-2022
Subject: Taal Vadhya (Tabla / Pakhawaj)				
1	Course Code	A1-MSTV2T		
2	Course Title	History of Indian Music (Paper-II)		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had the subject Music in class/12th/ certificate/diploma. ..... This course can be opted as an elective by the students of following subjects: ...../ Open for all		
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Introduce students with the different views of the origins of music. 2. Knowledge of their instruments and knowledge of their parts. 3. Knowledge of the historical information of the table/ pakhawaj gharanas. 4. To make known the main musicians and their musical contributions. 5. To introduce with the combination of musical programs and the employment opportunity cantoned therein.		
6	Credit Value	02		
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	1. Different concepts of music origins. A. Religious opinion. B. Natural opinion. C. Psychological opinion.	08 Hours
II	1. A brief study of vedic history of Indian music. 2. Knowledge and description with diagram of the parts of the table and Pakhawaj. . 3. Study of Independent Varna and mixed varna of Tabla and Pakhawaj.	08 Hours
III	1. Meaning and importance of Gharanas. 2. Utility of the Gharanas in music training. 3. General studies of delhi's tabla gharana/ pakhawaj's kudaoo singh's gharana.	08 Hours
IV	1. Life introduction and musical contribution of the following musicians. Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande, Pt. Ram Sahay,	06 Hours

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

	Ustad Habibuddin Khan, Pt. Kudaoo Singh. 2. Study of the quality detects of percussion players. 3. Different dimensions of combination of the musical programmes and employment opportunities contained therein.	

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

2. Author Surname, Initials "Book Title", , Publisher's name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.

1. Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan Publication, Sangeet Karyalaya Hathras.
2. Bhartiya Sangeet ka Itihaas, Umesh Joshi, Mansarover Publication Firozabad.
3. Taal Prakash, Dr. Bhagwat Sharan Sharma, Sangeet Karyalaya Hathras (U.P.)

2. Suggestive digital platforms web links

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	**Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction				
Program: Certificate Course		Class: B.A.	Year: 1st year	Session: 2021-2022
Subject: Taal Vadhya (Tabla / Pakhawaj)				
1	Course Code	A1-MSTV2T		
2	Course Title	History of Indian Music (Paper-II)		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had the subject Music in class/12th/ certificate/diploma. ..... This course can be opted as an elective by the students of following subjects: ...../ Open for all		
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Introduce students with the different views of the origins of music. 2. Knowledge of their instruments and knowledge of their parts. 3. Knowledge of the historical information of the table/ pakhawaj gharanas. 4. To make known the main musicians and their musical contributions. 5. To introduce with the combination of musical programs and the employment opportunity cantoned therein.		
6	Credit Value	02		
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	1. Different concepts of music origins. A. Religious opinion. B. Natural opinion. C. Psychological opinion.	08 Hours
II	1. A brief study of vedic history of Indian music. 2. Knowledge and description with diagram of the parts of the table and Pakhawaj. . 3. Study of Independent Varna and mixed varna of Tabla and Pakhawaj.	08 Hours
III	1. Meaning and importance of Gharanas. 2. Utility of the Gharanas in music training. 3. General studies of delhi's tabla gharana/ pakhawaj's kudaoo singh's gharana.	08 Hours
IV	1. Life introduction and musical contribution of the following musicians. Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande, Pt. Ram Sahay, Ustad Habibuddin Khan, Pt. Kudaoo Singh.	06 Hours

	2. Study of the quality detects of percussion players. 3. Different dimensions of combination of the musical programmes and employment opportunities contained therein.	

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

2. Author Surname, Initials "Book Title", , Publisher's name, City/country of publication, Year of publication. Edition No. if any.

1. Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan Publication, Sangeet Karyalaya Hathras.
2. Bhartiya Sangeet ka Itihaas, Umesh Joshi, Mansarover Publication Firozabad.
3. Taal Prakash, Dr. Bhagwat Sharan Sharma, Sangeet Karyalaya Hathras (U.P.)

2. Suggestive digital platforms web links

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	**Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

Department of Higher Education